



IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Week-3&4 Compilation



DELHI

BANGALORE

5B, Pusa Road, Karol
Bagh, New Delhi –110005.
Landmark: Just 50m from
Karol Bagh Metro Station,
GATE No. 8 (Next to
Croma Store)

Ph:0114167500

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar
Service Road, Vijaynagar, Bangalore
560040. PH: 09035077800 /

7353277800



Q.1) वायुमंडलीय संरचना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. मध्य मंडल (mesosphere) में ऊंचाई के साथ हवा का तापमान बढ़ता है।
2. रेडियो तरंगें पृथ्वी पर मध्य मंडल से वापस परावर्तित हो जाती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

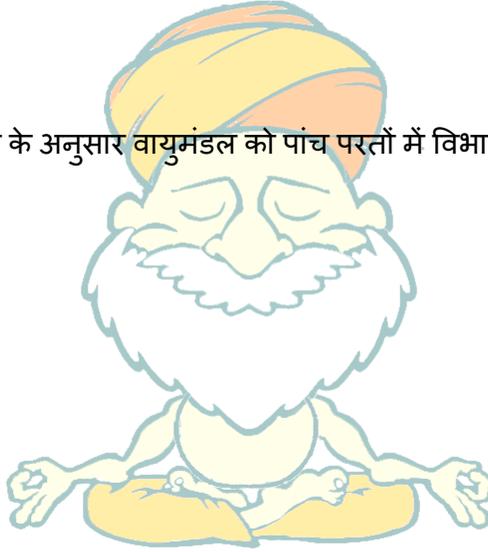
Q.1) Solution (d)

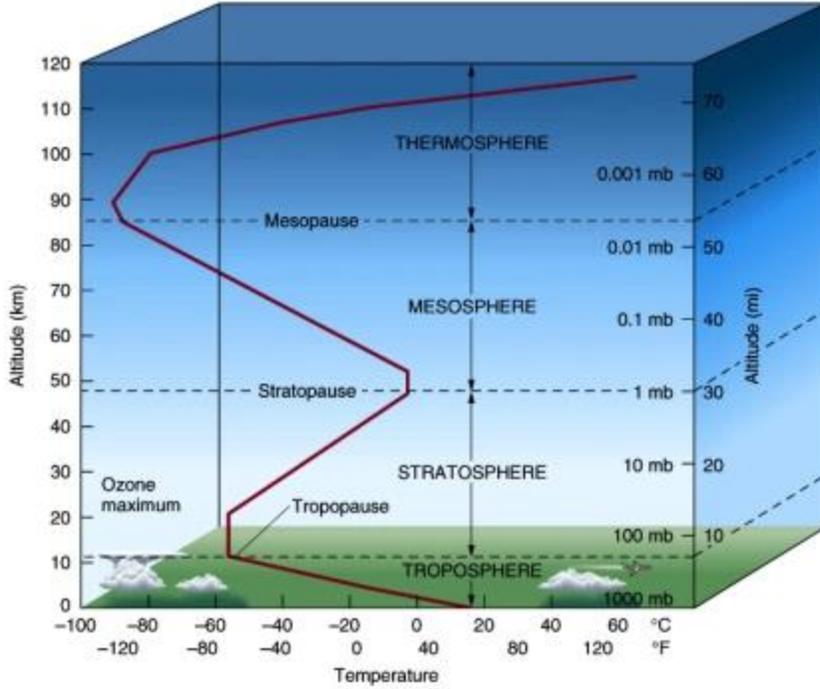
Basic Information:

वायुमंडल की संरचना:

तापमान और घनत्व की विविधता के अनुसार वायुमंडल को पांच परतों में विभाजित किया जा सकता है।

1. क्षोभ मंडल
2. समताप मंडल
3. मध्य मंडल
4. तापमंडल (आयन मंडल)
5. बहिर्मंडल।





क्षोभ मंडल:

- यह वायुमंडल की सबसे निचली परत है।
- इस परत की ऊंचाई भूमध्य रेखा पर लगभग 18 किमी और ध्रुवों पर 8 किमी है।
- क्षोभ मंडल की मोटाई भूमध्य रेखा पर सबसे अधिक है क्योंकि मजबूत संवहनीय धाराओं द्वारा ऊष्मा को अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाता है।
- क्षोभ मंडल में धूल के कण और जल वाष्प होते हैं।
- सभी प्रकार के मौसम परिवर्तन इस परत में ही होते हैं।
- वायुमंडल की बढ़ती ऊंचाई के साथ पर्यावरण का तापमान कम हो जाता है। यह प्रत्येक 165 मीटर ऊंचाई के लिए 1 डिग्री सेल्सियस की दर से घटता है। इसे सामान्य गिरावट दर (Normal Lapse Rate) कहते हैं।
- समताप मंडल से क्षोभमंडल को अलग करने वाले क्षेत्र को क्षोभ सीमा (tropopause) के रूप में जाना जाता है।
- क्षोभ सीमा पर हवा का तापमान भूमध्य रेखा पर लगभग -80 डिग्री सेल्सियस और ध्रुवों पर लगभग -45 डिग्री सेल्सियस होता है। यहां तापमान लगभग स्थिर होता है, और इसलिए, इसे क्षोभ सीमा कहा जाता है।

समताप मंडल:

- यह 50 किमी की ऊँचाई तक फैला हुआ है।
- इस परत के निचले हिस्से में लगभग 20 किमी की ऊँचाई तक तापमान समान रहता है। इसके बाद, ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान धीरे-धीरे बढ़ता है। इस परत के ऊपरी हिस्से में ओजोन गैस की उपस्थिति के कारण तापमान बढ़ता है।
- यहां हवा क्षैतिज रूप से चलती है। इसलिए इस परत को उड़ने वाले विमानों के लिए आदर्श माना जाता है।
- समताप मंडल की ऊपरी सीमा को समताप सीमा (stratopause) के रूप में जाना जाता है।

मध्य मंडल:

- यह 80 किमी की ऊँचाई तक फैला हुआ है।
- इस परत में, ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान कम होने लगता है तथा 80 किमी की ऊँचाई तक -100 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है।
- इस परत में उल्का या टूटते तारे होते हैं।
- मध्य मंडल की ऊपरी सीमा को मध्य सीमा (mesopause) के रूप में जाना जाता है।

ताप मंडल या आयन मंडल:

- यह परत मध्य मंडल से 80 से 400 किमी ऊपर स्थित है।
- इसमें विद्युत आवेशित कण होते हैं जिन्हें आयन कहा जाता है, तथा इसलिए, इसे आयनमंडल के रूप में जाना जाता है।
- पृथ्वी से प्रसारित रेडियो तरंगें इस परत द्वारा पृथ्वी पर वापस परावर्तित होती हैं और इसके कारण रेडियो प्रसारण संभव हो पाता है।
- यहां का तापमान ऊँचाइयों के साथ बढ़ने लगता है।

बहिर्मंडल:

- बाह्यमंडल वायुमंडल की सबसे ऊपरी परत है।
- गुरुत्वाकर्षण बल की कमी के कारण गैसों इस क्षेत्र में बहुत विरल हैं। इसलिए, यहां हवा का घनत्व बहुत कम है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
मध्य मंडल में, बढ़ती ऊंचाई के साथ तापमान कम हो जाता है।	आयन मंडल में रेडियो तरंगें वापस पृथ्वी पर परावर्तित होती हैं।

Q.2) समताप मंडल में जेट उड़ने के निम्न में से कौन से कारण हैं?

- समताप मंडल में मौजूद ओजोन का उपयोग जेट में ईंधन के रूप में किया जा सकता है।
- समताप मंडल की स्थिरता।
- क्षोभमंडल में ऋणात्मक डिग्री तापमान जेट विमानों के लिए उड़ान भरना असंभव बनाता है।
- समताप मंडल में घनत्व भिन्नता के कारण जेट गुप्त रूप से चलते हैं।

Q.2) Solution (b)

Explanation:

वाणिज्यिक जेट विमान अशांति या विक्षोभ से बचने के लिए निचले समताप मंडल में उड़ते हैं जो नीचे के क्षोभमंडल में आम है। समताप मंडल बहुत शुष्क होता है। यहां वायु में न्यूनतम जल वाष्प होता है। इस वजह से, इस परत में कुछ बादल पाए जाते हैं। लगभग सभी बादल निचले, अधिक नम क्षोभ मंडल में होते हैं। इसलिए, समताप मंडल अपेक्षाकृत स्थिर होते हैं।

Prelims 2020 Exclusive :Current Affairs Classes

Beat the Heat of Current Affairs Prelims 2020 in 12 Uber Cool Sessions by Tauseef Ahmad (One of the Founders of IASbaba)

MOST PROBABLE PRELIMS
CURRENT AFFAIRS TOPICS
FROM PAST 1.5 YEARS WILL
BE COVERED IN 12 SESSIONS



CRISP AND ORGANISED
NOTES/CONTENT TO MAKE
YOUR REVISION EASIER



Starts 15th April

Q.3) वातावरण में पाए जाने वाले धूल कणों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. धूल कणों की उच्च सांद्रता उपोष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण क्षेत्रों में पाई जाती है।
2. धूल के कण केवल निचले समताप मंडल में पाए जाते हैं।

सही कथन चुनें:

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.3) Solution (a)

Basic Information:

- छोटे ठोस कण जैसे समुद्री लवण, महीन मिट्टी, धुआं-कालिख, राख, पराग आदि वातावरण में धूल के कणों का निर्माण करते हैं।
- धूल के कण आर्द्रताग्राही नाभिक (hygroscopic nuclei) के रूप में कार्य करते हैं जिसके चारों ओर जल वाष्प संघनित होकर बादल निर्मित करती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
भूमध्यरेखीय और ध्रुवीय क्षेत्रों की तुलना में शुष्क पवनों के कारण धूल के कणों की उच्च सांद्रता उपोष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण क्षेत्रों में पाई जाती है।	आमतौर पर, धूल के कण निचले वातावरण में पाए जाते हैं। लेकिन कभी-कभी संवहनीय धाराएं उन्हें उच्च स्तर तक ले जाती हैं।

Q.4) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. पृथ्वी को प्राप्त होने वाली सूर्यविकिरण (insolation) दीर्घ तरंगों के रूप में होती है तथा पृथ्वी लघु तरंगों के रूप में वातावरण में ऊर्जा परावर्तित करती है।

2. उत्तरी भारत में 'लू' एक अभिवहन (advection) प्रक्रिया का परिणाम है।

सही कथन चुनें:

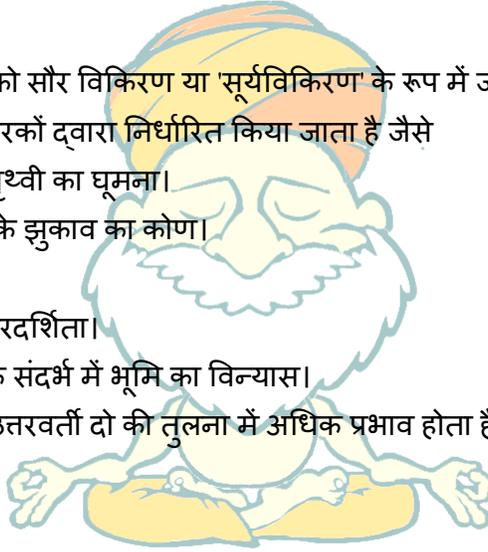
- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2
- न तो 1 और न ही 2

Q.4) Solution (b)

Basic Information:

सूर्यविकिरण (insolation):

- पृथ्वी द्वारा प्राप्त ऊर्जा को सौर विकिरण या 'सूर्यविकिरण' के रूप में जाना जाता है।
- सूर्यविकिरण विभिन्न कारकों द्वारा निर्धारित किया जाता है जैसे
 - अपनी धुरी पर पृथ्वी का घूमना।
 - सूर्य की किरणों के झुकाव का कोण।
 - दिन की लंबाई।
 - वातावरण की पारदर्शिता।
 - इसके पहलुओं के संदर्भ में भूमि का विन्यास।
- पूर्ववर्ती तीन कारकों का उत्तरवर्ती दो की तुलना में अधिक प्रभाव होता है।



अभिवहन (advection) :

- वातावरण के गर्म होने और ठंडा होने के विभिन्न मार्ग हैं।
 - **चालन (Conduction):** यह तब होता है जब असमान तापमान के दो निकाय एक दूसरे के संपर्क में होते हैं। ऊष्मा हस्तांतरण गर्म निकाय से ठंडे निकाय की ओर होता है।
 - **संवहन (Convection):** वायुमंडल के ऊर्ध्वधर तापन की प्रक्रिया को संवहन के रूप में जाना जाता है। पृथ्वी के संपर्क में हवा धाराओं के रूप में गर्म होने पर लंबवत रूप से ऊपर उठती है तथा आगे चलकर संवहन द्वारा वायुमण्डल को ऊष्मा पहुँचाती है।
 - **अभिवहन (Advection):** वायु के क्षैतिज गति के माध्यम से ऊष्मा का स्थानांतरण, अभिवहन कहलाता है। मध्य अक्षांशों में, दैनिक मौसम में अधिकतर दिन-रात (दिन और रात) की भिन्नता सिर्फ अभिवहन के कारण होती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
पृथ्वी को लघु तरंग विकिरणों के रूप में सूर्य से ऊष्मा प्राप्त होती है। यह दीर्घ तरंगीय विकिरणों के रूप में स्थलीय विकिरणों का उत्सर्जन करता है।	गर्मियों के दौरान विशेष रूप से उत्तरी भारत में उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में, स्थानीय पवनें जिन्हें 'लू' कहा जाता है, एक अभिवहन प्रक्रिया का परिणाम हैं।

Q.5) 'अल्बेडो' किसी वस्तु या सतह की समग्र परावर्तनता को दर्शाता है। इनके "अल्बेडो" मूल्य के संदर्भ में निम्न को क्रम में व्यवस्थित करें

1. बादल
2. हिम
3. वन
4. चारकोल
5. मरुस्थल

सही कूट चुनें:

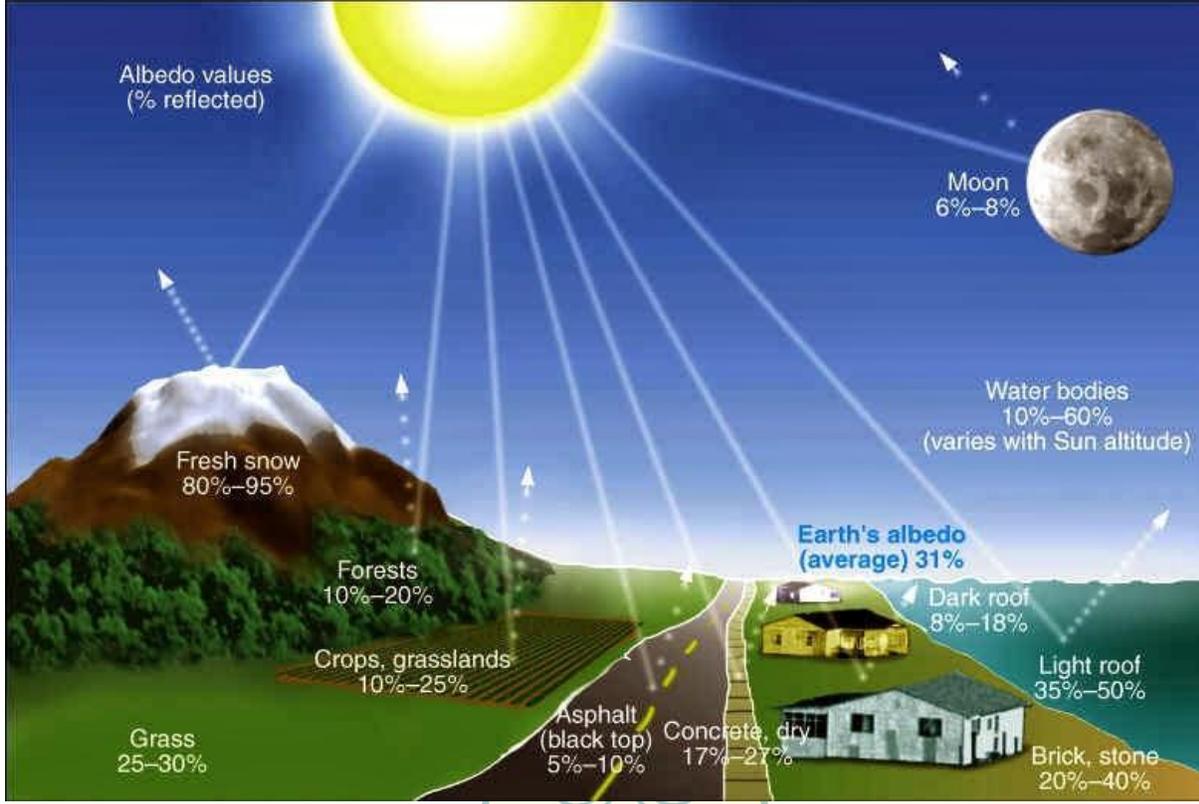
- a) 4-3-5-1-2
- b) 4-3-5-2-1
- c) 2-1-5-3-4
- d) 2-1-5-4-3



Q.5) Solution (c)

Basic Information:

अल्बेडो शब्द एक वस्तु या सतह की समग्र परावर्तकता को संदर्भित करता है, जिसे आमतौर पर एल्बिडो के प्रतिशत जितना अधिक बताया जाता है, परावर्तित विकिरण की मात्रा उतनी ही अधिक होती है। उदाहरण के लिए, हिम में बहुत अधिक अल्बेडो (95 प्रतिशत के रूप में) होता है, जबकि एक अंधेरी सतह, जैसे कि घने वन आवरण, में 14 प्रतिशत के रूप में अल्बेडो हो सकता है।



Q.6) कोरिओलिस बल के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. कोरिओलिस बल भूमध्य रेखा पर अधिकतम और ध्रुवों पर न्यूनतम होता है।
2. कोरिओलिस बल प्रभाव के कारण किसी वस्तु की गति बढ़ जाती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.6) Solution (d)

Basic Information:

कोरिओलिस प्रभाव: यह पृथ्वी के घूर्णन के कारण अनुभव करने वाला एक विक्षेपकारी बल है। कोरिओलिस के कारण हवा उत्तरी गोलार्ध में अपने दाईं ओर और दक्षिणी गोलार्ध में इसके बाएं ओर मुड़ती है। कोरिओलिस हमेशा हवा की गति के लंबवत दिशा में कार्य करता है। यह भूमध्य रेखा पर शून्य होता है और ध्रुवों की ओर बढ़ता है।

कोरिओलिस प्रभाव के बारे में याद रखने के लिए चार मूल बिंदु निम्न हैं:

1. गति की प्रारंभिक दिशा का संज्ञान किए बिना, कोई भी स्वतंत्र रूप से चलने वाली वस्तु उत्तरी गोलार्ध में दाईं ओर और दक्षिणी गोलार्ध में बाईं ओर चलती है।
2. स्पष्ट विक्षेप (deflection) ध्रुवों पर सबसे मजबूत होता है और भूमध्य रेखा की ओर उत्तरोत्तर घटता जाता है, जहाँ पर विक्षेपण शून्य होता है।
3. कोरिओलिस प्रभाव वस्तु की गति के लिए आनुपातिक है, तथा इसलिए एक तेज गति वाली वस्तु को धीमी वाली से अधिक विक्षेपित करता है।
4. कोरिओलिस प्रभाव केवल संचलन की दिशा को प्रभावित करता है; यह किसी वस्तु की गति को नहीं बदलता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	असत्य
कोरिओलिस बल प्रभाव भूमध्य रेखा पर न्यूनतम होता है और ध्रुव की ओर बढ़ता है	कोरिओलिस प्रभाव केवल किसी वस्तु की गति की दिशा को प्रभावित करता है लेकिन उसकी गति को नहीं।

Q.7) 'भु-स्थिर पवन' (Geostrophic Wind) शब्द संदर्भित करता है?

- a) यह दाब प्रवणता बल और कोरिओलिस बल के बीच संतुलन के कारण समदाब रेखा के समानांतर बहने वाली पवन है।
- b) यह दाब प्रवणता बल और कोरिओलिस बल के बीच संतुलन के कारण समदाब रेखा के लिए लंबवत बहने वाली पवन है।
- c) यह भूमध्य रेखा पर अधिक ऊंचाई पर बहने वाली पवन है।
- d) यह उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक ऊंचाई पर बहने वाली पवन है।

Q.7) Solution (a)

Basic Information:

- **भु-स्थिर पवन (Geostrophic Wind)** सैद्धांतिक पवन है जो कोरिओलिस बल और दाब प्रवणता बल के बीच एक सटीक संतुलन से उत्पन्न होती है।

- ऊपरी वायुमंडल में पवनें, सतह से 2 - 3 किमी ऊपर, सतह के घर्षण प्रभाव से मुक्त होती हैं तथा मुख्य रूप से दाब प्रवणता और कोरिओलिस बल द्वारा नियंत्रित होती हैं। जब समदाब रेखा सीधे होती हैं और जब कोई घर्षण नहीं होता है, तो दाब प्रवणता बल कोरिओलिस बल द्वारा संतुलित होता है तथा परिणामी पवन समदाब रेखा के समानांतर चलती है। इस पवन को भूस्थिर पवन के रूप में जाना जाता है।

Q.8) स्थानीय पवनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सही रूप से सुमेलित है?

स्थानीय पवनें देश / क्षेत्र

- | | |
|----------|---------|
| 1. चिनूक | अमेरिका |
| 2. खमसिन | लीबिया |
| 3. फॉन | स्पेन |
| 4. लू | भारत |

सही विकल्प चुनें।

- 1 और 2
- 1 और 3
- 1 और 4
- उपरोक्त सभी



Q.8) Solution (c)

Basic Information:

स्थानीय पवनों की सूची:

स्थानीय पवन	देश / क्षेत्र
चिनूक	अमेरिका
फॉन	स्विट्ज़रलैंड
लू	भारत
हरमट्टन	सहारा मरुस्थल

शामल	मेसोपोटामिया
नॉर्वेस्टर	न्यूजीलैंड
खमसिन	मिश्र
गिबली	लीबिया
चिली	ट्यूनिशिया
मिस्ट्रल	स्पेन और फ्रांस
बोरा	एड्रिआटिक सागर
ब्लिजार्ड	कनाडा

Q.9) निम्न में से किस बादल को उच्च ऊंचाई वाला बादल माना जाता है?

1. पक्षाभ स्तरी बादल (Cirrostratus)
2. उच्च स्तरी बादल (Altostratus)
3. पक्षाभ कपासी बादल (Cirrocumulus)
4. स्तरी कपासी बादल (Stratocumulus)
5. पक्षाभ बादल (Cirrus)

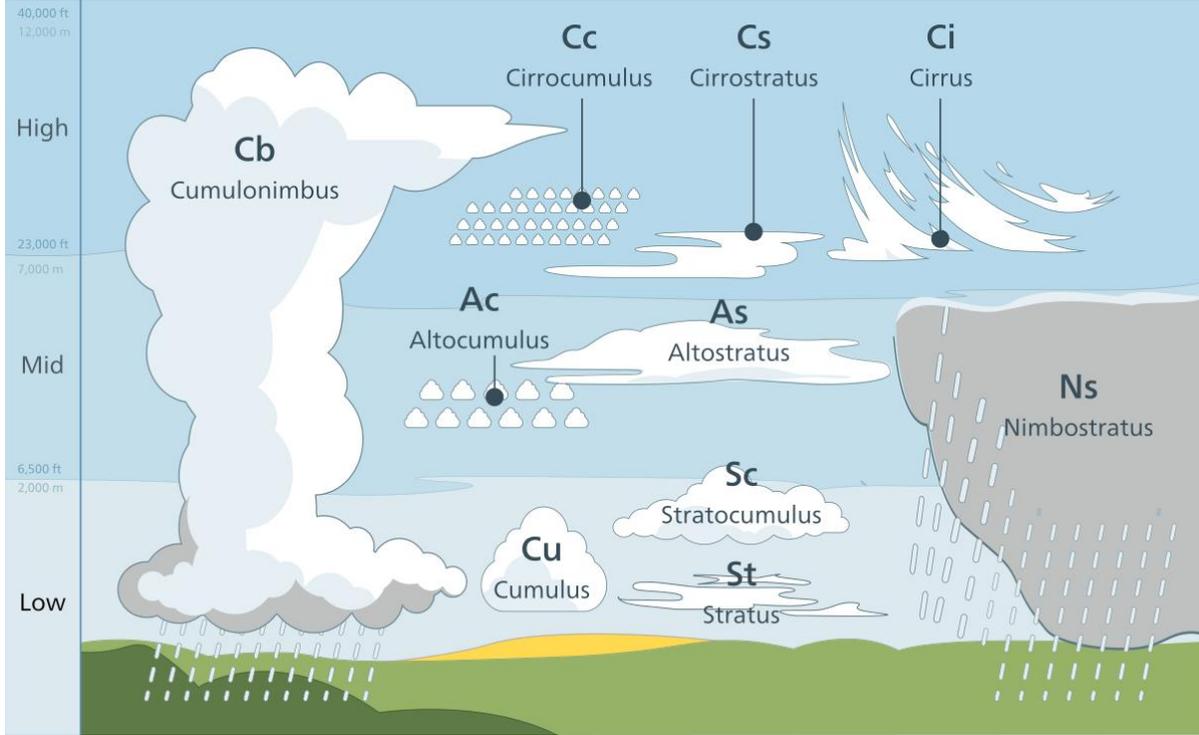
सही विकल्प चुनें:

- a) 1, 4 और 5
- b) 1, 2, 3 और 4
- c) 1, 3 और 5
- d) 1, 2, 3, 4 और 5

Q.9) Solution (c)

Basic Information:

बादलों के प्रकार	ऊंचाई	उदाहरण
उच्च ऊंचाई	भूमि की सतह से 20,000 फीट ऊपर	पक्षाभ, पक्षाभ स्तरी बादल, पक्षाभ कपासी बादल
मध्य ऊंचाई	6500-20000 फीट	उच्च स्तरी बादल, उच्च कपासी बादल
निम्न ऊंचाई	6500 फीट तक	स्तरी कपासी बादल, स्तरी बादल, वर्षा स्तरी बादल, कपासी बादल



Q.10) अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवातों और उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हैं लेकिन उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ते हैं।
2. अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात भूमि और समुद्र दोनों पर बनते हैं जबकि उष्णकटिबंधीय चक्रवात केवल समुद्र के ऊपर बनते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2
- न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (c)

Basic Information:

- उष्णकटिबंध से परे मध्य और उच्च अक्षांशों में विकसित होने वाली प्रणालियों को अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात कहा जाता है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात प्रचंड तूफान होते हैं जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में महासागरों से निकलते हैं और तटीय क्षेत्रों में चले जाते हैं।
- अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात और उष्णकटिबंधीय चक्रवात के बीच प्रमुख अंतर में शामिल हैं
 - अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवातों में एक स्पष्ट ललाट प्रणाली (frontal system) होती है जो उष्णकटिबंधीय चक्रवातों में मौजूद नहीं होती है।
 - अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात एक बड़े क्षेत्र को कवर करते हैं तथा भूमि और समुद्र पर उत्पन्न हो सकते हैं। जबकि उष्णकटिबंधीय चक्रवात केवल समुद्रों पर उत्पन्न होते हैं और भूमि तक पहुँचने पर वे फैल जाते हैं।
 - अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हैं लेकिन उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ते हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात पश्चिम से पूर्व की ओर तथा उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ते हैं।	उष्णकटिबंधीय चक्रवात समुद्र के ऊपर ही बनते हैं जबकि अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात भूमि और समुद्र दोनों पर उत्पन्न हो सकते हैं।

Q.11) निम्नलिखित स्थितियों पर विचार करें।

- इनकी जलवायु में सर्दियों में तटवर्ती पछुआ पवनों के साथ वर्षा की एकाग्रता होती है।

2. इनमें उष्ण शुष्क गर्मी और आद्र हल्की सर्दियों के साथ चमकदार धूप का मौसम होता है।
3. उनकी जलवायु फलोद्यान खेती में सहायक होती है।

ऊपर किस प्रकार की जलवायु का वर्णन किया गया है?

- a) स्टेपी जलवायु
- b) सूडान तुल्य जलवायु
- c) लॉरेशियन जलवायु
- d) भूमध्यसागरीय जलवायु

Q.11) Solution (d)

Basic Information:

- भूमध्यसागरीय जलवायु उष्ण, शुष्क ग्रीष्मकाल और शांत, हल्की सर्दियों के साथ एक बहुत ही सुखद जलवायु है।
- भूमध्यसागरीय जलवायु 30 डिग्री और 45 डिग्री अक्षांशों के बीच पाई जाती है। यह जलवायु अक्सर महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों पर पाई जाती है।
- भूमध्यसागरीय जलवायु वाले अधिकांश क्षेत्रों में अपेक्षाकृत हल्की सर्दियाँ और बहुत गर्म ग्रीष्मकाल होते हैं। हालाँकि सर्दियों और गर्मी के तापमान भूमध्यसागरीय जलवायु वाले विभिन्न क्षेत्रों के बीच बहुत भिन्न हो सकते हैं।
- गर्मियों के दौरान, भूमध्यसागरीय जलवायु के क्षेत्र उपोष्णकटिबंधीय कटकों/ किनारों से बहुत प्रभावित होते हैं जो न्यूनतम बादल आच्छादन के साथ वायुमंडलीय परिस्थितियों को बहुत शुष्क रखता है।
- सर्दियों में, उपोष्णकटिबंधीय किनारा भूमध्य रेखा की ओर पलायन करती है, जिससे बारिश की संभावना अधिक होती है। नतीजतन, इस जलवायु वाले क्षेत्र अपने सर्दियों और वसंत ऋतु के दौरान लगभग संपूर्ण वर्षा प्राप्त करते हैं, तथा गर्मियां 3 से 6 महीने तक हो सकती हैं और बिना किसी महत्वपूर्ण वर्षा के जल्दी समाप्त हो सकती हैं।
- क्षेत्र मदिरा हेतु फलोत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

Q.12) चक्रवातों और प्रति-चक्रवातों के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. चक्रवातों में केंद्र में उच्च दाब होता है जबकि प्रति-चक्रवात में केंद्र में निम्न दाब होता है।
2. उत्तरी गोलार्ध में पवनें चक्रवातों में वामावर्त और प्रति-चक्रवात में दक्षिणावर्त चलती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) कथन 1
- b) कथन 2
- c) 1 और 2

d) कोई नहीं

12. Solution (b)

Basic Information:

चक्रवात:

- चक्रवात प्रचंड तूफान होते हैं जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में महासागरों में उत्पन्न होते हैं और तटीय क्षेत्रों में चले जाते हैं। चक्रवात निम्न दाब के क्षेत्र होते हैं।
- चक्रवातों में, हवा उच्च दाब के क्षेत्रों से निम्न दाब की ओर चलती है जो सतह पर एक अभिसरण का उत्पादन करती है। यह परिवर्तित वायु वायुमंडल में ऊपर की ओर बल लगाती है, जिससे एक विचलन का निर्माण होता है। गर्म, आद्र हवा ऊपर की ओर उठती है, यह एक अस्थिर वातावरण पैदा करती है। यह गर्म, आद्र हवा ठंडी, घनीभूत होती है और तूफानी बादल बनाती है।

प्रति-चक्रवात:

- प्रति-चक्रवात उच्च दाब के क्षेत्र होते हैं। प्रति चक्रवात में, सांद्रित हवा फैल जाती है, जब यह सतह पर एक विचलन पैदा करने वाली भूमि तक पहुंच जाती है। ऊपर उठती, वायु शून्य को भरने के लिए अंदर जाती है, एक अभिसरण विचलन बनाती है।
- प्रति-चक्रवात एक स्थिर वातावरण का उत्पादन करते हैं।
- प्रति-चक्रवात या उच्चकों (highs) को उच्च अवरोधक भी कहा जाता है क्योंकि वे उन्हें कम दाब वाले क्षेत्रों के चारों ओर भ्रमण करने के लिए बल प्रदान करते हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
चक्रवात और प्रति-चक्रवात के बीच मुख्य अंतर यह है कि चक्रवात निम्न दाब प्रणालियाँ हैं। इसमें वायु बाहर के उच्च दाब से केंद्र के निम्न दाब की ओर चलती है। जबकि यह प्रति-चक्रवात में इसका विपरीत है।	कोरियोलिस प्रभाव के कारण उत्तरी गोलार्ध में पवनें चक्रवातों में वामावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिणावर्त चलती हैं। जबकि प्रति-चक्रवात में पवनें उत्तरी गोलार्ध में दक्षिणावर्त और दक्षिणी गोलार्ध में वामावर्त चलती हैं।

Q.13) पछुआ पवनों (westerlies) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

- वे दक्षिणी गोलार्ध की तुलना में उत्तरी गोलार्ध में अधिक मजबूत होती हैं।
- वे महाद्वीपों के पश्चिमी तटों पर अधिक वर्षा लाती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2
- न तो 1 और न ही 2

Q.13) Solution (b)

Basic Information:

पछुआ पवनें (Westerlies):

- पछुआ पवनें उप-उष्णकटिबंधीय (sub-tropical) उच्च दाब पेटी से उप-ध्रुवीय निम्न दाब पेटी की ओर बहने वाली पवनें हैं।
- वे दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर तथा दक्षिणी गोलार्ध में उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर चलती हैं।
- पछुआ पवनें 40 डिग्री दक्षिण और 60 डिग्री दक्षिण अक्षांशों के बीच सबसे अच्छी तरह से विकसित होती हैं। इन अक्षांशों को अक्सर गरजता चालीसा और प्रचंड पचासा और चीखता साठा भी कहा जाता है।
- पछुआ पवनों की ध्रुवीय सीमा अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली है। कई मौसमी और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव होते हैं। ये पवनें मौसम में आद्रता और परिवर्तनशीलता पैदा करती हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
पछुआ पवनें पानी के विशाल विस्तार के कारण दक्षिणी गोलार्ध में मजबूत और लगातार बनी रहती हैं, जबकि उत्तरी गोलार्ध के यह अनियमित हैं, क्योंकि	चूंकि वे उत्तरी गोलार्ध में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व तक तथा दक्षिणी गोलार्ध में उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व में चलती हैं, इसलिए वे पश्चिमी तटों पर बहुत

विशाल भूमि-स्थलाकृति की असमान संरचना (पर्वत) की उपस्थिति है।

अधिक वर्षा लाती हैं। पूर्वी तट शुष्क रहते हैं क्योंकि हवाएँ अपतटीय होती हैं।

Q.14) टॉरनेडो (tornados) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. टॉरनेडो ऊर्जा वितरण के लिए वायुमंडलीय समायोजन की अभिव्यक्तियाँ हैं।
2. टॉरनेडो केवल संवहनीय वर्षा के कारण भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में होता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.14) Solution (a)

Basic Information:

- टॉरनेडो (tornados) तेजी से घूमती हवा के ऊर्ध्वाधर फ़नल (कीप के आकार के) हैं।
- उनकी हवाएं 250 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऊपर जा सकती हैं तथा एक मील चौड़ा और 50 मील लंबा रास्ता साफ बना सकती हैं।
- टॉरनेडो झंझावात में पैदा होते हैं और अक्सर ओलों के साथ होते हैं।
- नम गर्म दिनों पर तीव्र संवहन के कारण आंधी होती है। एक गरज के साथ चमक और बिजली के उत्पादन वाला एक अच्छी तरह से विकसित कपासी बादल (cumulonimbus) बनता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
झंझावात और टॉरनेडो जैसे प्रचंड तूफान ऊर्जा वितरण के लिए वायुमंडलीय समायोजन की अभिव्यक्तियाँ हैं।	टॉरनेडो संसार में कहीं भी हो सकता है। लेकिन वे आमतौर पर मध्य अक्षांश में पाए जाते हैं।

Q.15) वैश्विक जलवायु के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. उष्णकटिबंधीय जलवायु में, पूरे वर्ष औसत मासिक तापमान 18 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक होता है।
2. उष्ण समशीतोष्ण जलवायु में, सबसे ठंडे महीने का औसत तापमान 18 डिग्री सेंटीग्रेड से -3 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच होता है।

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.15) Solution (c)

Basic Information:

विश्व की जलवायु की विभिन्न विशेषताओं में शामिल हैं।

- उष्णकटिबंधीय जलवायु, जहां पूरे वर्ष औसत मासिक तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है।
- शुष्क जलवायु, जहां तापमान की तुलना में वर्षा बहुत कम होती है, और इसलिए, शुष्क रहता है। यदि शुष्कता कम है, तो यह अर्ध-शुष्क (एस) है; यदि यह अधिक है, तो जलवायु शुष्क (W) होती है।
- उष्ण समशीतोष्ण जलवायु, जहां सबसे ठंडे महीने का औसत तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और -3 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है।
- शीत शीतोष्ण जलवायु, जहां सबसे गर्म महीने का औसत तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक है, और सबसे ठंडे महीने का औसत तापमान -3 डिग्री सेल्सियस नीचे होता है।
- हिम जलवायु / शीत जलवायु, जहां सबसे गर्म महीने का औसत तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम होता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य

औसत उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में मासिक तापमान पूरे वर्ष में 18 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर होता है।	उष्ण समशीतोष्ण जलवायु में सबसे ठंडे महीने का तापमान 18 डिग्री और -3 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच होता है।
--	---

Q.16) मौसम विज्ञान में 'जलस्तंभ' (Water Spouts) शब्द का क्या अर्थ है?

- भूमि सतहों पर टॉरनेडो।
- सागरीय सतहों पर टॉरनेडो।
- उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों पर टॉरनेडो।
- समशीतोष्ण क्षेत्रों पर टॉरनेडो।

Q.16) Solution (b)

Explanation:

- टॉरनेडो तेजी से घूमती हवा के ऊर्ध्वाधर फ़नल (कीप के आकार) हैं।
- उनकी हवाएं 250 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से ऊपर जा सकती हैं तथा एक मील चौड़ा और 50 मील लंबा रास्ता बना सकती हैं।
- टॉरनेडो झंझावत में पैदा होते हैं और अक्सर ओलों के साथ होते हैं।
- समुद्री सतह पर टॉरनेडो को **जलस्तंभ (Water Spouts)** कहा जाता है।

Q.17) उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उच्च तापमान का अनुभव भूमध्यरेखीय क्षेत्रों की तुलना में निम्न कारणों से होता है?

- उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उच्च दाब होता है।
- उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र, भूमध्यरेखीय क्षेत्रों की तुलना में गर्म महासागरीय धाराओं के अधिक प्रभाव का अनुभव करते हैं।
- उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भूमध्यरेखीय क्षेत्रों की तुलना में कम बादल आच्छादित होते हैं।
- उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भूमध्यरेखीय क्षेत्रों की तुलना में अधिक तटवर्ती पवनें होती हैं।

Q.17) Solution (c)

Explanation:

भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में लगभग प्रतिदिन वर्षा होती है। इन क्षेत्रों में मेघ आच्छादन अधिक होता है। लेकिन उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भूमध्यरेखीय क्षेत्रों की तुलना में कम बादल आवरण और निम्न वर्षा होती है। इसलिए भूमध्यरेखीय क्षेत्रों की तुलना में तापमान उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक होता है।

Q. 18) स्तरी-कपासी बादल (Stratocumulus clouds) कई मौसम संबंधी घटनाओं के लिए उत्तरदायी हैं। स्तरी-कपासी बादलों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. स्तरी-कपासी बादल रात के समय में महासागरों को गर्म रखते हैं।
2. स्तरी-कपासी बादल सामान्यतः समुद्री पानी के वाष्पीकरण के कारण बनते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.18) Solution (c)

Basic Information:

- स्तरी-कपासी बादल (Stratocumulus clouds) निम्न स्तर के थक्के या बादल के पैच होते हैं जो चमकीले सफेद से गहरे भूरे रंग के होते हैं।
- वे पृथ्वी पर सबसे आम बादल हैं जो उनके अच्छी तरह से परिभाषित आधारों से पहचाने जाते हैं, कुछ हिस्सों में अक्सर दूसरों की तुलना में गहरा होता है।
- समुद्री स्तरी-कपासी बादल पृथ्वी की सतह के लगभग 20 प्रतिशत को कवर करते हैं और सूर्य के विकिरण के लगभग 30 प्रतिशत को दर्शाते हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
बादल पृथ्वी के विकिरण को वापस पृथ्वी में विक्षेपित करते हैं। इसलिए, स्तरी-कपासी बादल (Stratocumulus clouds) के विशाल विस्तार के नीचे के महासागर रात के समय गर्म रहते हैं।	वे आमतौर पर समुद्री सतहों के ऊपर पाए जाते हैं तथा समुद्री पानी के वाष्पीकरण के कारण बनते हैं।

Q.19) उष्ण मरुस्थल के स्थान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. उष्ण मरुस्थल महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों पर अपतटीय व्यापारिक पवनों के परिणाम हैं।
2. उष्ण मरुस्थल अधिकांशतः 15 और 30 डिग्री अक्षांशों के बीच दोनों गोलार्धों में बनते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.19) Solution (c)

Basic Information:

- उष्ण मरुस्थल कम वर्षा, अत्यधिक तापमान और विरल वनस्पति वाले गर्म शुष्क क्षेत्र हैं।
- आमतौर पर, भूमध्य रेखा के 15 डिग्री और 30 डिग्री उत्तर और दक्षिण के बीच उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाए जाने वाले मरुस्थल उष्ण मरुस्थल हैं।
- एक उष्ण मरुस्थल में वार्षिक वर्षा 250 मिमी से कम होती है जो उन्हें बहुत शुष्क बनाती है।
- अधिकांश उष्ण मरुस्थल लगातार पानी खोते हैं क्योंकि वे व्यापारिक पवनों के मार्ग पर स्थित होते हैं। उनकी शुष्कता मुख्य रूप से तटीय व्यापारिक पवनों के कारण होती है, इसलिए उन्हें व्यापारिक पवन मरुस्थल के रूप में भी जाना जाता है।
- वे तेज हवाओं के कारण बादलों के आवरण से रहित भी होते हैं।
- उष्ण मरुस्थल में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक रहता है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
अधिकांश उष्ण मरुस्थल दोनों गोलार्धों में 15 डिग्री और 30 डिग्री अक्षांशों के बीच उपोष्णकटिबंधीय उच्च दाब पटी के नीचे स्थित हैं।	उष्ण मरुस्थल महाद्वीपों के पश्चिमी किनारे में पाए जाते हैं जहाँ व्यापारिक पवनें अपतटीय होती हैं। इसलिए वे कम वर्षा प्राप्त करते हैं।

Q.20) निम्नलिखित में से कौन सी स्थिति तापमान व्युत्क्रमण (temperature inversion) के निर्माण के लिए अनुकूल है?

1. छोटी रातें
2. साफ आसमान
3. शांत एवं स्थिर हवा

सही विकल्प चुनें :

- a) 1 और 3
- b) 2 और 3
- c) 1 और 2
- d) 1, 2 और 3

Q.20) Solution (b)

Basic Information:

तापमान व्युत्क्रमण:

- तापमान व्युत्क्रमण, वायुमंडल की एक ऐसी स्थिति है जिसमें सतह पर ठंडी हवा की एक परत गर्म हवा की एक परत के ऊपर होती है।
- आम तौर पर, ऊंचाई में वृद्धि के साथ तापमान घटता है। इसे सामान्य हास दर कहा जाता है। कई बार, स्थिति उलट हो जाती है और तापमान व्युत्क्रमण के कारण सामान्य हास दर उलट जाती है।
- व्युत्क्रमण आमतौर पर छोटी अवधि का होता है।
- स्पष्ट आसमान और शांत हवा के साथ एक लंबी सर्दियों की रात व्युत्क्रमण के लिए एक आदर्श स्थिति है।

Q.21) नदी प्रणाली में पानी की वार्षिक प्राप्ति (annual yield) के आधार पर निम्नलिखित को बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें।

1. गंगा
2. महानदी
3. गोदावरी
4. ब्रह्मपुत्र

सही विकल्प चुनें:

- a) 2-3-4-1
- b) 2-3-1-4
- c) 3-2-4-1
- d) 3-2-1-4

Q.21) Solution (b)

Basic Information:

एस. पी. दासगुप्ता द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, देश की नदियों में पानी की वार्षिक प्राप्ति 1,858,100 मिलियन क्यूबिक मीटर (केवल भारतीय क्षेत्र में बेसिन क्षेत्र के लिए गणना) है।

प्रत्येक नदी प्रणाली का प्रतिशत योगदान इस प्रकार है।

नदी	प्रतिशत योगदान
ब्रह्मपुत्र	33.8
गंगा	25.2
गोदावरी	6.4
सिंधु	4.3
महानदी	3.6
कृष्णा	3.4
नर्मदा	2.9

Q.22) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. हिमालय की नदियाँ पूर्ववर्ती जल निकासी (antecedent drainage) का उदाहरण हैं।
2. भारतीय नदियों द्वारा लाये गए पानी का 90 प्रतिशत से अधिक पानी अरब सागर में जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.22) Solution (a)

Basic Information:**पूर्ववर्ती नदियाँ (Antecedent rivers):**

नदियाँ जो हिमालय की उत्पत्ति से पहले मौजूद थीं और पर्वतों में गड्ढे (gorges) बनाकर अपनी धाराप्रवाह को दक्षिण की ओर ले जाती थीं, उन्हें पूर्ववर्ती नदियों के रूप में जाना जाता है।

जल निकासी प्रारूप (Drainage pattern):

- भारतीय जल निकासी को सागरीय उन्मुखीकरण के आधार पर दो प्रमुख जल निकासी प्रणालियों में विभाजित किया गया है। इनमें 1. बंगाल की खाड़ी जल निकासी और 2. अरब सागर जल निकासी शामिल हैं।
- देश का लगभग 77 प्रतिशत जल निकासी क्षेत्र बंगाल की खाड़ी की ओर उन्मुख है तथा देश के 23 प्रतिशत से अधिक जल निकासी क्षेत्र अरब सागर की ओर उन्मुख है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
सिंधु, सतलुज, अलकनंदा, गंडक, कोसी, ब्रह्मपुत्र के गोरज (gorges) स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि ये नदियाँ पर्वतों से भी पुरानी हैं। अतः उन्हें पूर्ववर्ती नदियाँ कहा जाता है।	भारतीय नदियों द्वारा लाये गए पानी का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बंगाल की खाड़ी में गिरता है, अरब सागर में नहीं।

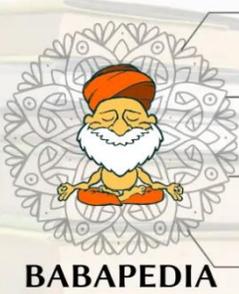
Q.23) "सिंगे खबब" (Singge Khabab) निम्नलिखित नदी का नाम है?

- झेलम
- ब्यास
- सिंधु
- रावी

Q.23) Solution (c)

सिंधु नदी (Indus river):

सिंधु नदी 5,182 मीटर की ऊंचाई पर पश्चिमी तिब्बत में कैलाश श्रेणी के हिमनद से मानसरोवर झील के पास निकलती है। यह उत्तर पश्चिम दिशा में 257 किलोमीटर की दूरी के लिए ट्रांस-हिमालय क्षेत्र में सेंगे खबब के नाम से बहती है। आगे यह भारत में प्रवेश करती है तथा लद्दाख और ज़ांस्कर श्रेणियों के बीच समान दिशा में अपना प्रवाह जारी रखती है। प्रमुख सहायक नदियों में झेलम, रावी, ब्यास, सतलज और चिनाब शामिल हैं।



BABAPEDIA

ONE STOP DESTINATION FOR ALL YOUR
CURRENT AFFAIRS NEEDS

SUBSCRIBE NOW

- UPDATED ON A DAILY BASIS
- PRECISE AND CRISP CURRENT AFFAIRS NOTES
- NO NEED TO MAKE NOTES FOR CURRENT AFFAIRS
- ONE OF ITS KIND COMPENDIUM OF CURRENT AFFAIRS

-  The most organized Platform for Current Affairs Preparation.
-  Highest Hit Ratio in Prelims (Current Affairs)
-  Highly Recommended by UPSC Toppers - Rank 4, 6, 9, 14, etc.

Q.24) निम्नलिखित को उनके जलग्रहण क्षेत्रों (catchment areas) के आधार पर बढ़ते क्रम में व्यवस्थित करें।

1. महानदी
2. कृष्णा
3. कावेरी
4. गोदावरी

सही विकल्प चुनें:

- a) 3-1-2-4
- b) 3-1-4-2
- c) 1-3-2-4
- d) 1-3-4-2



Q.24) Solution (a)

Basic Information:

नदी के नाम	जलग्रहण क्षेत्र
गंगा	861452

सिंधु (भारत में)	321289
ब्रह्मपुत्र	194413
महानदी	141589
गोदावरी	312812
कावेरी	81155
कृष्णा	258948
नर्मदा	98795
तापी	65145
पेन्नेरु	55213
माही	34481
सुवर्णरेखा	19296
साबरमती	21895

Q.25) प्रायद्वीपीय नदियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. नर्मदा और तापी स्वयं द्वारा बनाई गई घाटियों में बहती है।
2. प्रायद्वीपीय नदियाँ, जो अरब सागर में गिरती हैं, डेल्टा नहीं बनाती हैं, बल्कि केवल ज्वारनदमुखी (estuaries) होती हैं।
3. प्रायद्वीपीय जल निकासी प्रणाली हिमालयी जल निकासी से पुरानी है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) 1 और 3
b) 2 और 3
c) 1 और 2
d) 1, 2 और 3

Q.25) Solution (b)

Basic Information:

- प्रायद्वीप नदियाँ हिमालय की नदियों की तुलना में बहुत पुरानी हैं।
- वे गैर-बारहमासी / मौसमी नदियां हैं जो वर्षा ऋतु में अधिकतम निर्वहन करती हैं।
- प्रायद्वीपीय नदियों में विभाजित मुख्य जल पश्चिमी घाट द्वारा निर्मित होता है।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ परिपक्व अवस्था में पहुँच चुकी हैं तथा लगभग अपने आधार स्तर तक पहुँच चुकी हैं।
- नदियों में चौड़ी और उथली घाटियों की विशेषता है।
- नदी के किनारों में पर सीमित पथ को छोड़कर कोमल ढलान होती हैं जहां भ्रंशपूर्ण रूप से खड़ी ढालें होती हैं।
- बंगाल की खाड़ी में बहने वाली महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी पूर्व में बहने वाली नदियाँ अपने मुहाने पर डेल्टा बनाती हैं। लेकिन नर्मदा और तापी के साथ-साथ पश्चिमी घाटों से निकलने वाली पश्चिम की बहने वाली नदियाँ डेल्टा के स्थान पर ज्वारनदमुख (estuaries) बनाते हुए अरब सागर में गिरती हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	सत्य	सत्य
नर्मदा और तापी स्वयं द्वारा बनाई गई घाटियों में नहीं बहती हैं, बल्कि विंध्य के समानांतर चलने वाली दो भ्रंशीय घाटी में प्रवाहित होती हैं।	नर्मदा और तापी जैसी प्रायद्वीपीय नदियाँ, भ्रंशीय घाटी में कठोर चट्टानों के माध्यम से बहती हैं, जो समुद्र में प्रवेश करने से पहले वितरिकाएँ नहीं बना पाती हैं। इसलिए वे डेल्टा नहीं बना सकती	प्रायद्वीपीय जल निकासी हिमालय की जल निकासी प्रणाली की तुलना में पुरानी है जो व्यापक और उथली घाटियों से स्पष्ट है।

	हैं, लेकिन केवल ज्वारनदमुख (estuaries) बनाती हैं।	
--	---	--

Q.26) भारत में मानसूनी पवनों की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

1. प्रचलित पवनों की दिशा 120 डिग्री तक स्थानांतरित होती हैं।
2. प्रचलित पवनों की आवृत्ति 40 प्रतिशत से अधिक होती है।
3. एक महीने में पवन का वेग 3 मील प्रति सेकंड से अधिक हो जाता है।

सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1
- b) 1 और 2
- c) 1 और 3
- d) 1, 2 और 3

Q.26) Solution (d)

Basic Information:

- मानसून बड़े पैमाने पर मौसमी पवन प्रणाली है, जो संसार के विशाल क्षेत्रों में, लगातार एक ही दिशा में, केवल मौसम के परिवर्तन के साथ विपरीत हो जाती हैं, बहती हैं।
- पवन प्रणाली का उत्क्रमण मानसूनी जलवायु का प्रमुख चिन्ह है।
- C S Ramage ने भारत में मानसूनी पवनों की निम्नलिखित चार विशेषताओं का सुझाव दिया है।
 - प्रचलित पवन की दिशा को जनवरी और जुलाई के बीच कम से कम 120 डिग्री तक स्थानांतरित होना चाहिए।
 - जनवरी और जुलाई में प्रचलित हवा की दिशा की औसत आवृत्ति 40 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए।
 - कम से कम एक महीने में परिणामी पवन का वेग 3 मील प्रति सेकंड से अधिक होना चाहिए।
 - पांच डिग्री अक्षांश / देशांतर ग्रिड से अधिक या तो हर दो साल में एक या दो महीने में एक चक्रवात - प्रति-चक्रवात अल्टरनेशन में होना चाहिए।

Q.27) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. भारत में मॉनसून वर्षा काफी हद तक पर्वतीय (Orographic) होती है।
2. भारतीय वर्षा मूल रूप से प्रकृति में मूसलाधार (torrential) होती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.27) Solution (c)

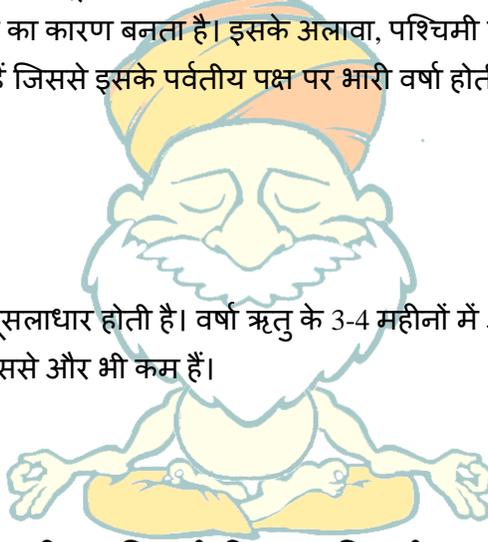
Explanation:

- मॉनसूनी वर्षा मोटे तौर पर घटना के रूप में भौगोलिक होती है तथा अवरोधों /पर्वतों से नियंत्रित होती है। हिमालयी और पश्चिमी घाट वर्षा को नियंत्रित करने वाली मुख्य पर्वतीय विशेषताएं हैं। हिमालय हिंद महासागर से नमी से भरी मानसूनी हवाओं को बाधित करता है और उत्तर पूर्वी राज्यों और सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदान में वर्षा का कारण बनता है। इसके अलावा, पश्चिमी घाट अरब सागर से वर्षा वाले बादलों को बाधित करते हैं जिससे इसके पर्वतीय पक्ष पर भारी वर्षा होती है और इसके पीछे की ओर छाया क्षेत्र होता है।

इसलिए कथन 1 सही है।

- भारतीय वर्षा प्रकृति में मूसलाधार होती है। वर्षा ऋतु के 3-4 महीनों में अधिकांश वर्षा प्राप्त होती है। वास्तविक वर्षा के दिन इससे और भी कम हैं।

इसलिए, कथन 2 सही है।



Q.28) दक्षिण कोइल और सुवर्णरेखा की जल निकासी, किस जल निकासी प्रारूप के उदाहरण हैं?

- वृक्षाकर (Dendritic)
- जालीदार (trellised)
- अभिकेंद्रीय (Centripetal)
- रेडियल (Radial)

Q.28) Solution (d)

Basic Information:

एक विशेष धाराप्रवाह /चैनल के माध्यम से पानी के प्रवाह को जल निकासी (drainage) कहा जाता है।

जल निकासी प्रारूप का अर्थ विभिन्न चट्टानी भिन्नताओं, भूगर्भिक संरचना, जलवायु परिस्थितियों और अनाच्छादन (denudational) इतिहास के क्षेत्रों में ज्यामितीय आकृतियों के संदर्भ में स्थानिक व्यवस्था और जल निकासी प्रणाली का रूप होता है।

विभिन्न जल निकासी प्रारूप में शामिल हैं।

1. जालीदार (trellised) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में समानांतर और द्वितीयक सहायक नदियों में प्राथमिक सहायक नदियाँ समकोण पर मिलती हैं। हिमालय के अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में प्रमुखता से पाया जाता है।
2. वृक्षाकर (Dendritic) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में, तना या मुख्य धारा के विभिन्न व्यवस्थाओं और परिमाणों से सहायक नदियों का नेटवर्क एक पेड़ की शाखाओं और जड़ों जैसा दिखता है। सर्वोत्तम उदाहरणों में कावेरी, महानदी आदि नदी घाटियाँ शामिल हैं।
3. रेडियल (Radial) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में, धाराएं केंद्रीय उच्च बिंदु से निकलती हैं। उदाहरणों में रांची पठार में दक्षिण कोयल, सुवर्णरेखा द्वारा गठित जल निकासी प्रारूप शामिल हैं।
4. अभिकेंद्रीय (Centripetal) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में, धाराएं एक बिंदु पर परिवर्तित होती हैं जो आमतौर पर एक अवसाद या एक बेसिन होते हैं। सबसे अच्छा उदाहरण नेपाल की काठमांडू घाटी है।
5. वलयकार (Annular) जल निकासी प्रारूप: इस रूप में, मुख्य धारा की सहायक नदियों को एक सर्कल के रूप में विकसित किया जाता है। उत्तरांचल का सोनपेट गुंबद इस प्रकार के प्रारूप का सबसे अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है।

Q.29) हिरन, बंजर, तवा निम्नलिखित में से किस नदी की सहायक नदियाँ हैं?

- a) कृष्णा
- b) महानदी
- c) नर्मदा
- d) चंबल



Q.29) Solution (c)

Basic Information:

नदी के नाम	सहायक नदी

गंगा	अलकनंदा, पिंडर, मंदाकिनी, धौलीगंगा, रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी
यमुना	चंबल, केन, सिंध, बेतवा
सिंधु	रावी, चिनाब, ब्यास, झेलम, सतलुज।
महानदी	इब, मंड, हसदो, श्योनाथ, ऑंग, जोंक, तेल
गोदावरी	मंजरा, पेंगंगा, वैनगंगा, वर्धा, इंद्रावती, सबरी
कृष्णा	कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा, मूसी
कावेरी	हरंगी, हेमवती, शिखा, अर्कवती, लक्ष्मण तीर्थ, कबानी
नर्मदा	हिरन, बरना, कोलार, बरहर, बंजर, शर, तवा, कुंडी
तापी	पूर्णा, बैतूल, पाटकी, गंजाल, डथरनज, बोकाड

Q.30) भारत में शीत ऋतु के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. प्रायद्वीपीय भारत में शीत ऋतु भिन्न होती है।
2. दिसंबर और जनवरी के महीनों के दौरान उत्तर में तीव्र ठंड की स्थिति भूमध्य सागर में उत्पन्न पश्चिमी विक्षोभ का परिणाम होता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (b)

Basic Information:

भारत में मौसम:

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने भारत में चार अलग-अलग मौसमों को मान्यता दी है।

1. ठंड का मौसम या शीत ऋतु।
2. गर्मी के मौसम या ग्रीष्म ऋतु।
3. दक्षिण-पश्चिम मानसून का मौसम या वर्षा ऋतु।
4. मानसून के पीछे हटने का मौसम या शांत ऋतु (cool season)।

शीत ऋतु नवंबर में आरंभ होती है और मार्च तक जारी रहती है। स्वच्छ आकाश, सुखद मौसम, कम तापमान और नमी, ठंडी और धीमी उत्तरी हवाएं इस मौसम की प्रमुख विशेषताएं हैं।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
असत्य	सत्य
20 डिग्री सेंटीग्रेड की समतापीय रेखा पूर्व - पश्चिम दिशा में चलती है, जो लगभग कर्क रेखा के समानांतर है तथा भारत को उत्तरी और दक्षिणी भागों में विभाजित करती है। इस समतापीय रेखा के दक्षिण में शीत ऋतु के दौरान तापमान कभी-कभी 20 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर होता है। अत्यधिक दक्षिण में तापमान 25 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक हो सकता है। इसलिए, प्रायद्वीपीय भारत में सर्दियों का मौसम अलग नहीं है।	शीत ऋतु के दौरान पश्चिमी अवसाद (western depressions) नामक अवसादों की आमद के कारण मौसम अक्सर टूट जाता है। वे भूमध्य सागर में उत्पन्न होते हैं तथा इराक, ईरान और अफगानिस्तान को पार करने के बाद भारत में प्रवेश करते हैं। वे कभी-कभी उत्तरी भारत में तापमान 5 डिग्री सेंटीग्रेड से कम कर देते हैं।

Q.31) भारत में मानसून की उत्पत्ति और शुरुआत निम्नलिखित कारकों में से किससे संबंधित है?

1. तिब्बती पठार का तीव्र तापन।
2. हिमालय के दक्षिण में पछुआ जेट स्ट्रीम का चलना।
3. मेडागास्कर के दक्षिण में एक उच्च दाब क्षेत्र की उपस्थिति।
4. समशीतोष्ण क्षेत्रों में चक्रवातों का बनना।

सही विकल्प चुनें:

- 1 और 3
- 1, 2 और 3
- 1, 3 और 4
- 1, 2, 3 और 4

Q. 31) Solution (a)

Basic Information:

भारत में मानसून की उत्पत्ति और शुरुआत कई कारकों का संयोजन है। उनमें प्रमुख हैं।

- भूमि और पानी में उष्मन और शीतलन की दर में भिन्नता, जो भूमि पर निम्न दाब और समुद्रों पर उच्च दाब बनाने के लिए अग्रणी है।
- तिब्बती पठार के तीव्र उष्मन से ऊर्ध्वाधर हवा की गति और निम्न दाब वाले क्षेत्रों का निर्माण होता है।
- हिमालय के उत्तर में पछुआ जेट धाराओं की गति और प्रायद्वीपीय पठार (15 डिग्री उत्तरी अक्षांश) पर पूर्वी जेट धाराओं की उपस्थिति।
- गर्मियों के दौरान गंगा के मैदान पर और सर्दियों के दौरान प्रायद्वीपीय दक्षिण में अंतर-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र का स्थानांतरण।
- मेडागास्कर के पूर्व में एक उच्च दाब क्षेत्र की उपस्थिति, लगभग 20 डिग्री दक्षिण अक्षांश पर भारतीय उपमहाद्वीप में मॉनसून की शुरुआत के लिए अधिक प्रभाव डालते हैं।

Q.32) निम्नलिखित में से कौन सही ढंग से सुमेलित है?

नदी	उद्गम
1. झेलम	वेरीनाग
2. चेनाब	रोहतांग पास
3. रावी	बारा लाचा ला के समीप
4. सतलुज	मानसरोवर-राकस झीलें

सही विकल्प चुनें:

- 1 और 2
- 2 और 3
- 1 और 4
- 1, 2, 3, और 4

Q.32) Solution (c)

Basic Information:

प्रमुख नदियाँ और उनकी उत्पत्ति।

नदी	मूल
1. सिंधु	मानसरोवर
2. चिनाब	बारा लाचा ला दर्रे के समीप
3. रावी	रोहतांग पास के पास
4. ब्यास	रोहतांग पास के पास
5. सतलुज	मानसरोवर-राकस झील
6. गंगा	गंगोत्री
7. यमुना	बंदर पूंछ चोटी पर यमुनोत्री ग्लेशियर
8. चंबल	महू से 15 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम (विंध्य की जानापाओ पहाड़ियां)
9. सोन	अमरकंटक का पठार
10. दामोदर	छोटानागपुर पठार
11. घाघरा	गुरला मांधाता शिखर
12. ब्रह्मपुत्र	चेमायुंगडांग ग्लेशियर
13. गोदावरी	त्र्यंबक पठार
14. कृष्णा	महाबलेश्वर
15. भीमा	माथेरॉन पहाड़ियों
16. कावेरी	कर्नाटक के कोडागु जिले में ताल कावेरी
17. नर्मदा	अमरकंटक का पठार
18. तापी	मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में मुलताई



Q.33) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. ब्रह्मपुत्र के पास असम में इसके अधिकांश मार्ग के लिए लटकती हुई घाटियां (braided channels) हैं।
2. ब्रह्मपुत्र की तिब्बत क्षेत्र में उच्च ऊंचाई पर पूर्व की ओर जाते समय एक खड़ी ढलान है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.33) Solution (a)

Basic Information:**ब्रह्मपुत्र नदी**

- ब्रह्मपुत्र, जिसे तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो कहा जाता है, अरुणाचल प्रदेश में सियांग / दिहांग नदी और असम में ल्यूट या दिलाओ (Luit or Dilao), एक सीमा-पारीय नदी है, जो तिब्बत, भारत और बांग्लादेश से होकर बहती है।
- तिब्बत के बुरंग क्षेत्र में हिमालय के उत्तरी किनारे पर स्थित मानसरोवर झील क्षेत्र के पास चेमायुंगडुंग ग्लेशियर में इसकी उत्पत्ति के साथ, यह दक्षिणी तिब्बत के माध्यम से महान घाटियों (यारलुंग त्सांगपो ग्रैंड कैन्यन सहित) और अरुणाचल प्रदेश (भारत) में बहती है। यह ब्रह्मपुत्र के रूप में असम घाटी के माध्यम से दक्षिण में बहती है और बांग्लादेश के माध्यम से दक्षिण में जमुना के रूप में बहती है। विशाल गंगा डेल्टा में, यह पद्मा के साथ विलय हो जाती है, बांग्लादेश में गंगा नदी का लोकप्रिय नाम है, और अंत में, पद्मा के साथ विलय के बाद, यह मेघना बन जाती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
ब्रह्मपुत्र के पास असम में इसके अधिकांश मार्ग के लिए लटकती हुई घाटियां (braided channels) हैं। नदी चैनलों और रेतीले तटों का निरंतर स्थानांतरण हो रहा है। इसमें बहुत सारी गाद होती है और इसमें बहुत अधिक मात्रा में विसर्पण (meandering) होता है।	ब्रह्मपुत्र दक्षिणी तिब्बत में बहती है और इस यात्रा के अधिकांश भाग के लिए यह दक्षिण में महान हिमालय और उत्तर में कैलाश पर्वतमाला के बीच सिंधु-त्सांगपो संरचना क्षेत्र द्वारा निर्मित अवसाद से गुजरती है। नदी ऊँचाई पर बहने के बावजूद एक कोमल ढलान (खड़ी ढलान नहीं) में बहती है।

Q.34) भारतीय जलवायु संदर्भ में, "अक्टूबर हीट" (October Heat) शब्द किससे संबद्ध है?

- हरियाणा में ठूठ (stubble) जलने के कारण उत्तर भारत में तापमान में वृद्धि।
- राजस्थान में गर्म हवाओं के कारण उत्तर भारत में तापमान में वृद्धि।
- उत्तर भारत में मानसून की वापसी के दौरान गर्म और आर्द्र स्थिति।
- उत्तर भारत में तापमान व्युत्क्रमण के कारण अत्यधिक गर्मी।

Q. 34) Solution (c)

Explanation:

भारतीय उपमहाद्वीप में अक्टूबर के महीने में मौसम को 'अक्टूबर हीट' कहा जाता है। अक्टूबर और नवंबर के दौरान दक्षिण की ओर सूर्य की स्पष्ट गति के साथ, मानसून गर्त या उत्तरी मैदानों पर निम्न दाब वाला क्षेत्र कमजोर हो जाता है। यह धीरे-धीरे एक उच्च दाब प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की हवाएँ कमजोर पड़ जाती हैं और धीरे-धीरे पीछे हटने लगती हैं। अक्टूबर की शुरुआत तक, उत्तरी मैदानों से मानसून वापस आने लगता है। अक्टूबर और नवंबर के महीने गर्म बारिश के मौसम से शुष्क सर्दियों की स्थिति में संक्रमण की अवधि बनाते हैं। मानसून का पीछे हटना स्पष्ट आसमान और तापमान में वृद्धि से चिह्नित होता है। जबकि दिन का तापमान अधिक होता है, रातें ठंडी और सुखद होती हैं। भूमि अभी भी नम होती है और मौसम दिन के दौरान दमनकारी हो जाता है और आमतौर पर 'अक्टूबर गर्मी' के रूप में जाना जाता है।

Q.35) निम्नलिखित में से कौन भारतीय मानसून में विराम का कारण है?

- मानसून गर्त (Monsoon trough) का दक्षिणवर्ती स्थानांतरण।
- मानसून गर्त (Monsoon trough) का उत्तरवर्ती स्थानांतरण।
- प्रायद्वीपीय पठार से पूर्वी जेट धारा का समाप्त होना।
- उत्तरी मैदानों में एक पछुआ जेट धारा की उपस्थिति।

Q.35) Solution (b)

Explanation:

बारिश के मौसम के दौरान, जुलाई और अगस्त के महीनों में, मानसून के कमजोर होने की कुछ निश्चित अवधि होती है। बादल बनना कम हो जाता है तथा हिमालय बेल्ट और दक्षिणी प्रायद्वीप के बाहर देश में व्यावहारिक रूप से वर्षा बंद हो जाती है। इसे मानसून विराम के रूप में जाना जाता है। माना जाता है कि तिब्बती उच्च (Tibetan high) के टूटने के बाद ही मानसून गर्त (Monsoon trough) उत्तर की ओर स्थानांतरित होता है। विराम की अवधि के दौरान गर्त की धुरी तलहटी में स्थित होती है।

Q.36) निम्नलिखित में से कौन सा "दक्षिणी दोलन" (Southern Oscillation) का वर्णन करता है?

- उत्तरी और दक्षिणी हिंद महासागर पर दाब में उतार-चढ़ाव।
- उत्तरी और दक्षिणी प्रशांत महासागर पर दाब में उतार-चढ़ाव।
- पश्चिमी और पूर्वी हिंद महासागर पर दाब में उतार-चढ़ाव।
- भूमध्यरेखीय भारतीय और प्रशांत महासागरों पर दाब में उतार-चढ़ाव।

Q. 36) Solution (d)

Explanation:

दक्षिणी दोलन प्रशांत और हिंद महासागरों के बीच देखे गए दाब परिवर्तनों के सागरीय प्रारूप को संदर्भित करता है। जब भूमध्यरेखीय दक्षिण प्रशांत पर दाब अधिक होता है, तो यह भूमध्यरेखीय दक्षिण हिन्द महासागर पर निम्न होता है और इसके विपरीत स्थिति में इसका उल्टा होता है। हिंद और प्रशांत महासागरों पर उच्च और निम्न दाब का पैटर्न भूमध्य रेखा के साथ ऊर्ध्वाधर संचलन को जन्म देता है, जो कम दाब क्षेत्र पर अपने बढ़ते आकार और उच्च दाब क्षेत्र पर इसके अवरोही आकार में होता है। इसे वाकर परिसंचरण (Walker circulation) के रूप में जाना जाता है। सर्दियों के दौरान हिंद महासागर पर कम दाब का स्थान मानसून के विकास के लिए अनुकूल माना जाता है। लेकिन इसका पूर्व की ओर स्थानांतरण कम वर्षा या कमजोर मानसून लाता है।

Q.37) निम्नलिखित में से कौन सही रूप से मेल खाता है?

मानसून-पूर्व वर्षा

1. काल बैसाखी
2. ब्लॉसम वर्षा (Blossom Showers)
3. बोर्डोसिला (Bordoisila)

सही विकल्प चुनें:

- a) 1 और 2
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) 1, 2 और 3



Q.37) Solution (b)

Basic Information:

- आम्र वर्षा (Mango showers) मानसून-पूर्व वर्षा की घटना का वर्णन करने के लिए बोलचाल की भाषा में है। कभी-कभी ये वर्षा सामान्य रूप से 'अप्रैल की वर्षा' या 'गर्मियों की वर्षा' के रूप में संदर्भित की जाती है।
- ये वर्षा आम तौर पर मार्च से अप्रैल तक होती है, हालांकि उनके आगमन की अक्सर भविष्यवाणी करना मुश्किल होता है। उनकी तीव्रता हल्की वर्षा से लेकर भारी और लगातार गरज के साथ हो सकती है।
- भारत में, बंगाल की खाड़ी के ऊपर आंधी के परिणामस्वरूप आम्र वर्षा होती है।
- उन्हें बंगाल में 'काल बैसाखी' के रूप में भी जाना जाता है, असम में 'बोर्डोविला' के रूप में और कर्नाटक और केरल में 'चेरी ब्लॉसम शावर' या 'कॉफी शावर' के रूप में जाना जाता है।

Q.38) पूर्वी जेट धाराओं (Easterly Jet Streams) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. पूर्वी जेट धाराएं भारत में उष्णकटिबंधीय अवसाद (tropical depressions) को रोकती हैं।
2. पूर्वी जेट धाराएं दक्षिण पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान दक्षिण की ओर स्थानांतरित हो जाती हैं।

सही कथन चुनें।

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.38) Solution (a)

Basic Information:

- पूर्वी जेट धारा मौसम संबंधी शब्द है जो जून के अंत में शुरू होने वाली ऊपरी स्तर की पवनों का वर्णन करती है और सितंबर की शुरुआत तक जारी रहती है।
- मानसून के दौरान ऊपरी वायुमंडल में विकसित होने वाली पवन का यह मजबूत प्रवाह 15 डिग्री उत्तर में केंद्रित होता है और दक्षिण-पूर्व एशिया से अफ्रीका तक फैला हुआ होता है।
- उष्णकटिबंधीय पछुआ जेट धारा के हिमालय के उत्तर में स्थानांतरित होने के बाद उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट धारा जल्दी अस्तित्व में आती है।
- पूर्वी जेट धारा पूर्व से पश्चिम की ओर प्रायद्वीपीय भारत में 6 - 9 किमी और उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र में बहती है।
- जेट धारा के गठन से ऊपरी वायु परिसंचरण पैटर्न का उल्टा परिणाम होता है और मानसून की त्वरित शुरुआत होती है।

कथन विश्लेषण:

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
अगस्त और सितंबर के महीने के दौरान, पूर्वी जेट धारा भारत में उष्णकटिबंधीय अवसाद को रोक देता है।	पूर्वी जेट धारा का कोई स्थानांतरण नहीं होता है। लेकिन मानसून की शुरुआत से पहले उत्तर की ओर पछुआ जेट धारा स्थानांतरित होती है।



Dedicated **HOTLINE (Communication channel) for all
UPSC/IAS Aspirants**

Speak With the Founders and Core Team of Iasbaba on Telephone
Regarding 'Any Queries' Related to UPSC Preparation in General
or Subject-Specific Doubts.

2 HOURS DAILY (EXCEPT ON SUNDAYS) FROM 5PM TO 7 PM

- 📞 UPSC PREPARATION STRATEGY & CURRENT AFFAIRS – **9986190082**
- 📞 ENVIRONMENT & SCIENCE AND TECHNOLOGY – **9986193016**
- 📞 GEOGRAPHY & HISTORY – **9591106864**
- 📞 POLITY & ECONOMICS – **9899291288**

**'ASK YOUR BABA' - Special feature to clear your doubts on the
60 Day Platform (Online from 10am - 10 pm)**

WWW.IASBABA.COM

Q.39) निम्नलिखित में से कौन सी नदी भारत में पश्चिम की ओर बह रही हैं?

1. मांडोवी
2. नेत्रवती
3. कृष्णा
4. बेदटी (Bedti)

सही विकल्प चुनें।

- a) 1 और 2
- b) 1 और 4
- c) 1, 2 और 4
- d) 1, 2, 3 और 4



Q.39) Solution (c)

Basic Information:

भारत में पश्चिम की ओर बहती नदियों की सूची:

नर्मदा, तापी, साबरमती, माही, लूणी, मांडोवी, जुआरी, राचोल, कलिनाडी, नेत्रावती, बेदती, शरावती, ताद्री, पन्नाम, भरतपुझा, पेरियार, पम्बा आदि।

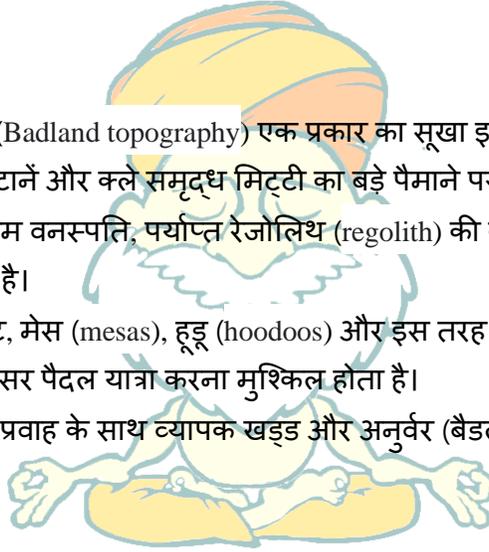
Q.40) चंबल के बीहड़ों को भारत में भू-वैज्ञानिक महत्व प्राप्त है। निम्नलिखित में से किस प्रकार की स्थलाकृति चंबल नदी द्वारा बनाई गई है?

- जीर्ण स्थलाकृति (Senile topography)
- अनुर्वर भूमि स्थलाकृति (Badland topography)
- कास्ट स्थलाकृति
- नदीय स्थलाकृति

Q.40) Solution (b)

Basic Information:

- अनुर्वर भूमि स्थलाकृति (Badland topography) एक प्रकार का सूखा इलाका होता है, जहाँ हवा और पानी द्वारा नरम तलछटी चट्टानों और क्ले समृद्ध मिट्टी का बड़े पैमाने पर क्षरण हुआ है।
- उन्हें खड़ी ढलानों, न्यूनतम वनस्पति, पर्याप्त रेजोलिथ (regolith) की कमी और उच्च जल निकासी घनत्व की विशेषता होती है।
- कैन्यन, बीहड़, गुल्ली, बट, मेस (mesas), हूडू (hoodoos) और इस तरह के अन्य भूगर्भिक रूप अनुर्वर भूमि होते हैं। उन पर अक्सर पैदल यात्रा करना मुश्किल होता है।
- चंबल नदी ने अपने धारा प्रवाह के साथ व्यापक खड्ड और अनुर्वर (बेडलैंड) स्थलाकृति बनाई है।



Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.